Literacy for a Billion

Movie: Himalaya Ki God Mein
Year: 1965

Song: Main To Ek Khwaab Hoon
Lyricist: Qamar Jalabadi

मैं तो एक ख्वाब हूँ
इस ख्वाब से तू प्यार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ
इस ख्वाब से तू प्यार न कर
प्यार हो जाए तो
फिर प्यार का इज़हार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ

ये हवाएँ कभी
चुपचाप चली जायेगी
लौट कर के फिर कभी
गुलशन में नहीं आएगी
अपने हाथों में
हवाओं को गरिफ्तार न कर
अपने हाथों में
हवाओं को गरिफ्तार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ
तेरे दिल में हैं
मोहब्बत के भड़कते शोले

अपने सीने में
छुपा ले ये भड़कते शोले
इस तरह प्यार को
रूसवा सरे बाज़ार न कर
इस तरह प्यार को
रूसवा सरे बाज़ार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ

शाख से टूट के
गुंचे भी कहीं खिलते हैं
रात और दिन भी
ज़माने में कभी मिलते हैं
भूल जा जाने दे
तकदीर से तकरार न कर
भूल जा जाने दे
तकदीर से तकरार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ
इस ख्वाब से तू प्यार न कर
मैं तो एक ख्वाब हूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.